



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 174]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 19, 2004/माघ 30, 1925

No. 174]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 2004/MAGHA 30, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2004

आयकर

का.आ. 205(अ).—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) की अधिसूचना सं. का.आ. 169(अ), तारीख 6 फरवरी, 2004 में, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), तारीख 6 फरवरी, 2004 के पृष्ठ 1 से पृष्ठ 24 पर प्रकाशित हुई थी,—

पृष्ठ 1 के पैरा (1) में, “उप-खंड (iii)” के स्थान पर “उप-खंड (i)” पढ़ें।

[अधिसूचना सं. 55/2004/फा.सं. 142/35/2003-टीपीएल]

चन्द्रजीत सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th February, 2004

INCOME-TAX

S.O. 205(E).—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue (Central Board of Direct Taxes), number S.O. 169(E), dated the 6th February, 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary in Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 6th February, 2004 at pages 1 to 24,—

at page 13, in para (1), for “sub-clause (iii)”, read “sub-clause (i)”.

[Notification No. 55/2004/F. No. 142/35/2003-TPL]

CHANDRAJIT SINGH, Under Secy.